प्रकाशन तिथि : 01 नवम्बर, 2024
प्रेषण तिथि : 04 नवम्बर, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 16 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

समाज सापेक्ष थी आयुवान सिंह जी की प्रतिभा: संरक्षक श्री

(श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ मनाई द्वितीय संघ प्रमुख हुडील की 104वीं जयंती)

जयंतियां सामान्य व्यक्तियों की नहीं बल्कि महापुरुषों की ही मनाई जाती हैं और महापुरुष वही होते हैं जिन्होंने अपना पूरा जीवन अन्यों के लिए समर्पित कर दिया हो। श्रद्धेय आयुवान सिंह जी भी ऐसे ही महापुरुष थे जिनके जीवन का प्रत्येक क्षण समाज के लिए समर्पित था। वे असाधारण प्रतिभा के धनी थे किंतु उनकी प्रतिभा समाज सापेक्ष थी। उन्होंने अपनी प्रतिभा का उपयोग अपने व्यक्तिगत हित में नहीं करके समाज के लिए किया। स्वयं अभावों में रहते हुए भी वे जीवन भर समाज के लिए कार्य करते रहे और इसीलिए हम आज उनकी जयंती मना रहे हैं, उनको स्मरण करके प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं और उनके प्रति कृतज्ञता का अनुभव कर रहे हैं। उपर्युक्त बात माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने 17 अक्टूबर को जयपुर स्थित संघ के केंद्रीय कार्यालय 'संघशक्ति' में आयोजित श्रद्धेय आयुवान सिंह जी हुडील जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने आयुवान सिंह जी के साथ बिताए समय के संस्मरण भी सुनाए। माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने अपने उद्बोधन में कहा कि क्षत्रिय जाति रत्नगर्भा है जिसमें महापुरुष जन्म लेते रहे हैं। स्वयं भगवान ने भी जब-जब अवतार लिया है तो उन्होंने अपने अवतरण के लिए क्षत्रिय जाति को ही चुना है। हमारे पूर्वजों ने त्याग, बलिदान, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलते हुए जनमानस को प्रेरणा और मार्गदर्शन देने का काम किया। आयुवान सिंह जी ने भी पूर्वजों द्वारा स्थापित उसी क्षात्र परंपरा का पालन करते हुए अपना जीवन जीया। उन्होंने कहा कि आयुवान सिंह जी बहुमुखी प्रतिभा वाले व्यक्तित्व के स्वामी थे। वे एक कुशल संगठनकर्त्ता और नेतृत्वकर्त्ता थे जिन्होंने चौपासनी और भूस्वामी आंदोलन में मुख्य भूमिका निभाई। वे गहरी और दूरदर्शी राजनीतिक समझ रखते थे और इसी कारण वे जोधपुर के महाराजा हनवंत सिंह जी और जयपुर की महारानी गायत्री देवी के राजनीतिक सलाहकार एवं मार्गदर्शक रहे। आयुवान सिंह जी के द्वारा रचा गया साहित्य समाज के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत है। कार्यक्रम का संचालन जयपुर संभाग प्रमुख राम सिंह अकदड़ा ने किया। जयपुर शहर में रहने वाले स्वयंसेवक व समाजबंधु मातृशक्ति सहित कार्यक्रम में शामिल हुए।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

राजस्थान न्यायिक सेवा में 9 राजपूतों का चयन

राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा जारी न्यायिक अधिकारी चयन परीक्षा के अंतिम परिणाम में अब तक प्राप्त सूचना के अनुसार 9 राजपूतों का चयन हुआ है जिनमें 7 महिलाएं एवं 2 पुरुष हैं। सभी चयनित न्यायिक अधिकारियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।चयनित अधिकारियों की सूची निम्नानुसार है-

1. **राजनंदिनी जोधा** पुत्री श्री लक्ष्मण सिंह जोधा
2. **दीपांजलि जादौन** पुत्री श्री सुखराज पाल जादौन
3. **निर्मला सिंह** पुत्री श्री कृष्णवीर सिंह
4. **पूनम राठौड़** पुत्री श्री शिशपाल सिंह राठौड़
5. **देवप्रताप सिंह** पुत्र श्री दिनेश पाल सिंह
6. **प्रियन्द्र विक्रम सिंह** पुत्र श्री वीरेंद्र सिंह
7. **कीर्ति शेखावत** पुत्री श्री अजीत सिंह शेखावत
8. **शुभांगनी चौहान** पुत्री श्री शंकर सिंह चौहान
9. **शालू शेखावत** पुत्री श्री स्व. अमर सिंह शेखावत

सांस्कृतिक गरबा महोत्सव एवं स्नेहमिलन का आयोजन

अहमदाबाद में मेवाड़ वागड़ राजपूत सेवा संस्था अहमदाबाद द्वारा 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के ओगणज स्थित अनमोल पार्टी प्लॉट में सांस्कृतिक गरबा महोत्सव एवं स्नेहमिलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भूपेंद्रभाई पटेल (माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात), बलवंतसिंह राजपूत (कैबिनेट मंत्री गुजरात सरकार), प्रदीपसिंह वाघेला (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गुजरात), प्रतिभाबेन जैन (मेयर, अहमदाबाद शहर), श्री क्षत्रिय युवक संघ की वरिष्ठ स्वयंसेविका जागृतिबा हरदासकाबास, ईश्वरसिंह वालाकुंडली (अध्यक्ष श्री जागृति उत्थान संस्था) सहित अनेकों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मेवाड़ वागड़ राजपूत सेवा संस्था के प्रमुख प्रतापसिंह जोगीवाडा और मंत्री महीपालसिंह वालाकुंडली अन्य कार्यकताओं के साथ उपस्थित रहे और व्यवस्था का जिम्मा संभाला। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में समाजबंधुओं व मातृशक्ति की उपस्थिति रही।

विभिन्न स्थानों पर मनाई सम्राट मिहिरभोज प्रतिहार की जयंती

सिखेड़ा (उत्तरप्रदेश)

झालावाड़

आदि वराह की उपाधि के धारक और भारत में अरब आक्रमणों का तीव्रतम प्रतिरोध करने वाले प्रतापी सम्राट मिहिर भोज प्रतिहार की जयंती 18 अक्टूबर को विभिन्न स्थानों पर समारोह पूर्वक मनाई गई। शेरगढ़ क्षेत्र के बेलवा गांव में स्थित ओम बन्ना साफा हाउस पर आयोजित जयंती कार्यक्रम में इंदावटी राणोसा प्रताप सिंह के साथ उपस्थित समाजबंधुओं ने मिहिर भोज की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री क्षत्रिय युवक संघ के शेरगढ़ प्रांत प्रमुख भैरू सिंह बेलवा भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। झालावाड़ में मिहिर भोज जयंती के उपलक्ष में राजपूत समाज द्वारा विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया। यह रैली झालावाड़ स्थित राजपूत छात्रावास से प्रारंभ हुई और शहर के प्रमुख स्थानों से गुजरी। वाहन रैली में राजपूत समाज के विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता एवं स्थानीय समाज बंधु सम्मिलित हुए। केकड़ी में श्री क्षत्रिय युवक संघ की वीर दुर्गादास राठौड़ शाखा द्वारा सम्राट मिहिरभोज की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में देशराज सिंह लिसाड़ीया द्वारा सम्राट मिहिरभोज व प्रतिहार वंश के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

रामगढ़ प्रांत में तीन दिवसीय शाखा संपर्क यात्रा संपन्न

जैसलमेर संभाग के रामगढ़ प्रांत में तीन दिवसीय शाखा संपर्क कार्यक्रम 9 से 11 अक्टूबर तक केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा व संभागीय शाखा प्रभारी सावल सिंह मोढा के निर्देशन में संपन्न हुआ। शाखा संपर्क यात्रा के प्रथम दिन शाम 5:30 से 6:30 बजे तक श्री मोहनगढ़ में सामूहिक शाखा आयोजित हुई जिसमें श्री मल्लिनाथ शाखा भाग प्रथम व द्वितीय, श्री भगवती छात्रावास, श्री मेघराज छात्रावास के छात्रों के साथ स्थानीय समाजबंधुओं ने भाग लिया। शाखा में प्रेम सिंह रणधा ने शिविर व शाखा के महत्त्व पर चर्चा की। दूसरे दिन हयाक जी के ओरण में प्रस्तावित शिविर स्थल का भ्रमण किया गया व

शहीद राजेंद्र सिंह के परिजनों से भी भेंट की। इसके पश्चात नगा पारेवार, लीला पारेवार, सोनू व भोजराज की ढाणी में शाखा का निरीक्षण किया गया। तीसरे दिन प्रातः 6:00 से 7:00 बजे तक श्री राजपूत छात्रावास रामगढ़ में सामूहिक शाखा आयोजित की गई जिसमें हनुमंत छात्रावास व राजपूत छात्रावास के स्वयंसेवको ने भाग लिया। शाखा में सनावड़ा माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर व लूणार प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर पर भी चर्चा की गई। अंत में 9 से 10 बजे सेउवा शाखा में उपस्थिति के साथ तीन दिवसीय शाखा संपर्क कार्यक्रम संपन्न हुआ। यात्रा के दूसरे दिन केंद्रीय कार्यकारी तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली भी साथ रहे। रामगढ़ प्रांत प्रमुख पदम सिंह पूरी यात्रा में साथ रहे।

दत्ताणी युद्ध विजय दिवस के साथ मनाई आयुवान सिंह जी की जयंती

रेवदर के निकटवर्ती दत्ताणी गांव में सिरोही के राव सुरताण देवड़ा और मुगल सेना के बीच सन् 1583 को हुए युद्ध की स्मृति में 17 अक्टूबर को विजय दिवस मनाया गया जिसमें राजपूत समाज एवं ग्रामीणों ने युद्ध स्थल पर बनी छतरी पर पुष्पांजलि अर्पित की और अपने से कई गुना बड़ी मुगल सेना को परास्त करने वाले स्वतंत्रता के अमर प्रतीक महाराव सुरताण देवड़ा, पाड़ीव ठाकुर समरा देवड़ा और अन्य वीरों को नमन किया। कार्यक्रम में भवानी सिंह भटाणा, पुनम सिंह सोलंकी, महेंद्र सिंह मगरीवाडा, सुजान सिंह वडवज, दिपेंद्र सिंह पिथापुरा, दशरथ सिंह

शेखावत आदि ने अपने विचार रखे और महाराव सुरताण देवड़ा, समरा देवड़ा और दत्ताणी युद्ध के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर सभी ने आगामी विजय दिवस पर एक भव्य कार्यक्रम के आयोजन और शहीद स्मारक के जीर्णोद्धार का भी निर्णय लिया। कार्यक्रम के साथ ही श्री क्षत्रिय युवक संघ के द्वितीय संघ प्रमुख आयुवान सिंह जी हुडील की जयंती भी मनाई गई। चंद्रवीर सिंह लूणोल ने आयुवान सिंह जी के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला।

बाहड़राव छात्रावास शाखा ने किया भ्रमण

बाहड़राव राजपूत छात्रावास बाड़मेर शाखा के 70 स्वयंसेवकों द्वारा 20 अक्टूबर को जैसलमेर के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया गया। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सर्व प्रथम जैसलमेर के प्राचीन शक्तिपीठ देगराय माता मन्दिर पहुंचकर दर्शन किये। तत्पश्चात जैसलमेर शहर के गड़ीसर तालाब का भ्रमण किया और डिब्बे पाड़े में स्थित दूसरे साके के महानायक महारावल दुर्जनशाल (दूदा) जी एवं अन्य वीरों की छत्तरियों के दर्शन करके स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मग सिंह राजमथाई ने यहां के इतिहास की जानकारी स्वयंसेवकों को दी। चंदन सिंह मूलाना ने जैसलमेर के 11वें शासक दूदाजी जसहड़ोत एवं

तिलोक सी का संक्षिप्त परिचय दिया। इसके पश्चात सालम सिंह की हवेली का भ्रमण करके नक्काशी वाले झरोखे देखे और सोनार दुर्ग की सूरज प्रोल के पास जैसलमेर के प्रथम साके के यौद्धा महारावल मूलराज जी व रतन सिंह जी के स्मारक के दर्शन किए। सोनार दुर्ग, सतियों के पगथिये, दशहरा चौक, जैसलू कुआं के बाद जैन मंदिर एवं लक्ष्मीनाथ जी मंदिर का भी भ्रमण किया। लोद्रवा में स्थित प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर और जैन मंदिरों में भी दर्शन किए। मूमल मेड़ी का अवलोकन करने के पश्चात सभी जैसलमेर शहर में स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभागीय कार्यालय तनाश्रम पहुंचे जहां सामूहिक हवन किया गया। हिन्दू सिंह म्याजलार ने जैसलमेर संभाग में होने वाली सांघिक गतिविधियों के बारे में बताया। पूंजराज सिंह देवड़ा और आजाद सिंह राठौड़ ने व्यवस्था में सहयोग किया।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (वाराणसी) में एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

उत्तर प्रदेश में वाराणसी स्थित बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में श्री क्षत्रिय युवक संघ की एक दिवसीय संगोष्ठी 16 अक्टूबर को आयोजित हुई। दो सत्रों में संपन्न हुई

इस संगोष्ठी में प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के क्षत्रिय शिक्षक गणों के साथ बैठक की गई तथा द्वितीय सत्र में विश्वविद्यालय के राजपूत विद्यार्थियों के साथ चर्चा हुई। संघ के दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के संभाग प्रमुख रेवत सिंह धीरा ने पूज्य श्री तनसिंह जी और श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय देते हुए संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। सभी सहभागियों ने चर्चा के दौरान वाराणसी में श्री क्षत्रिय युवक संघ के धरातलीय कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने की आवश्यकता जताई एवं सक्रिय सहयोग की बात कही। आयोजन में राणा प्रताप सिंह चंदौली, दीपक सिंह बलिया एवं अश्विनी सिंह का विशेष सहयोग रहा।

शेखावाटी संभाग की कार्ययोजना बैठक संपन्न

13 अक्टूबर को श्री दुर्गा महिला विकास संस्थान नाथावतपुरा (सीकर) में शेखावाटी संभाग के स्वयंसेवकों की बैठक माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के सान्निध्य में संपन्न हुई। स्वयंसेवकों से संवाद करते हुए संघप्रमुख श्री ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ के संपर्क में आकर आपने अपने जीवन में जो श्रेष्ठ अनुभूति की है, जो परिवर्तन अनुभव किया है, उसकी सार्थकता तभी होगी जब इस कार्य को आगे बढ़ाने के दायित्व को हम स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि हमें जीवन पर्यन्त स्वयं संघ के संपर्क में रहकर संघ के शिविर, साहित्य और अन्य गतिविधियों में समाज के बालक और बालिकाओं को जुड़ने के लिए प्रेरित करना है, उनके जीवन को श्रेष्ठ बनाने में सहयोग देना है। बैठक में संभागीय कार्ययोजना भी तैयार की गई। संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना, सीकर और झुंझुनूं प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर , चुरू प्रांत प्रमुख किशन सिंह गोरिसर और हिसार प्रांत प्रमुख अरविंद सिंह बालवा अन्य सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

केकड़ी स्थित जगदंबा छात्रावास में श्री क्षत्रिय सभा केकड़ी की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 20 अक्टूबर को आयोजित हुआ। आनंद सिंह जुनिया एवं भूपेंद्र सिंह सावर द्वारा नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम को सभा के निवर्तमान अध्यक्ष नरपत सिंह गुलगांव, नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोपाल सिंह कादेड़ा, प्रधान होनहार सिंह, जसवंत सिंह डोराई आदि वक्ताओं ने संबोधित किया। सभी ने आपसी सहयोग को बढ़ाने और सामाजिक संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करने की बात कही। समाज में प्रचलित कुरीतियों को बंद करने और बालिका शिक्षा को लेकर जागृति बढ़ाने पर भी बैठक में चर्चा की गई। जगदंबा छात्रावास में लाइब्रेरी सुविधा एवं कोचिंग की व्यवस्था प्रारंभ करने की योजना पर भी चर्चा की गई। दशरथ सिंह भराई व भंवर सिंह देवगांव ने कार्यक्रम का संचालन किया। संस्था के संरक्षक शंकर सिंह गौड़, महिला उपाध्यक्ष आशा कंवर सावर, राजपूत सभा अजमेर के जिलाध्यक्ष महेंद्र सिंह ढोस सहित अनेकों समाजबंधु बैठक में उपस्थित रहे।

आठ प्राथमिक प्रशिक्षण शिविरों में 1500 शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

कालेवा

टावरीवाला

10 से 13 अक्टूबर तक की चार दिन की अवधि में विभिन्न स्थानों पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के आठ प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए जिनमें तीन मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर शामिल हैं। इन शिविरों में कुल 1500 शिविरार्थियों ने संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। जोधपुर संभाग के फलोदी प्रांत के देचू मंडल के पीलवा गांव में चार दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ जिसका संचालन रतन कंवर सेतरावा द्वारा किया गया। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि क्षत्रिय जाति की कीर्ति और यश को जीवंत रखने में मातृशक्ति का अद्वितीय योगदान है। राजपूत महिलाओं में चरित्र बल, नैतिकता, भक्ति, त्याग आदि की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। वर्तमान भौतिकवादी युग में कहीं हम उस परंपरा को भूल न जाएं इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ गांव-गांव में ऐसे शिविर लगाकर हमें अपनी परंपरा और संस्कृति की याद दिला रहा है, उसके पालन का अभ्यास करवा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे समाज की अमूल्य थाती की सुरक्षा का जिम्मा हमारे ऊपर ही है। आज की बालिका ही कल की माता बनेगी इसलिए अपने इस महत्वपूर्ण दायित्व को पहचानें और स्वयं संस्कारित होकर एक आदर्श परिवार का निर्माण करें जिससे एक आदर्श समाज की आधारभूमि तैयार हो सके। शिविर में पीलवा, रावतनगर, सेतरावा, सोलंकियातला, रावलगढ़ सहित आज-पास के अनेकों गांवों से 296 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समस्त ग्रामवासियों ने मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। बालोतरा संभाग के बायतु प्रांत के कालेवा गांव में भी मातृशक्ति का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। शिविर का संचालन चंद्रिका कंवर काठाड़ी ने किया। उन्होंने शिविर समापन के अवसर पर बालिकाओं से कहा कि हमें माता सीता, रानी पद्मिनी, रानी दुर्गावती, हाड़ी रानी, रूपादे, तोलादे, उत्तरा, कुंती, तारामती, कौशल्या जैसी नारियों से प्रेरणा लेते हुए अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाना है। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें सही और गलत का भान कराते हुए कर्तव्य पालन का मार्ग दिखाता है और उस पर चलने का अभ्यास भी कराता है। मार्ग में आने वाली बाधाओं से हमें भयभीत नहीं होना है बल्कि उनका सामना करना है, उनसे पार पाना है और आगे बढ़ते रहना है। उन्होंने कहा कि परिवार में रहते हुए मां, पत्नी, बहन जैसे विभिन्न दायित्वों का हमें क्षात्रधर्म को ध्यान में रखते हुए पालन करना है। यह हमारा सौभाग्य है कि पूज्य श्री तनसिंह जी की कृपा से श्री क्षत्रिय युवक संघ एक दीपक की भांति हमारे जीवन में प्रकाश फैला रहा है। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 162 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। संभाग प्रमुख मूल सिंह काठाड़ी ने सहयोगियों एवं ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला। बाड़मेर संभाग में बाड़मेर शहर स्थित आलोक आश्रम में भी चार दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। कैलाश कंवर मुंगेरीया ने शिविर का संचालन करते हुए बालिकाओं से कहा कि किसी समाज की भावी पीढ़ी को आकार देने का कार्य उस समाज की माताओं द्वारा ही किया जाता है। इसलिए माता के संस्कार और आचरण का बहुत अधिक महत्व है। इसी बात को समझते हुए संघ समाज की बालिकाओं में क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण का कार्य कर रहा है जिससे वे आने वाले समय में अपनी संतान को भी वैसे ही संस्कार प्रदान कर सके। शिविर में बाड़मेर के विभिन्न गांवों के साथ ही जैसलमेर के म्याजलार, बड़ोड़ागांव, तेजमालता, झलोड़ा आदि गांवों की 279 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाड़मेर संभाग के स्वयंसेवकों ने व्यवस्था में सहयोग किया।

जैसलमेर संभाग के पोकरण प्रांत के टावरीवाला गांव में भी एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ जिसका संचालन संभाग प्रमुख गणपत सिंह अवाय ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि पिछले 78 वर्षों से श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज जागरण के कार्य में लगा हुआ है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने राष्ट्र एवं समाज में दायित्व बोध जागृत करने के उद्देश्य से संघ की स्थापना की थी। उसी के अनुरूप त्याग, समर्पण और सेवा के भाव से भरे युवाओं को तैयार करने का कार्य संघ कर रहा है। उन्होंने कहा कि जो स्वयं जगा हुआ है वही दूसरों को भी जगा सकता है। इसलिए संघ सबसे पहले स्वयं के निर्माण की बात करता है। शिविर में टावरीवाला, रामदेवरा, छायण, ताड़ाना, सत्याया, मोहनगढ़, भदड़िया, एटा, अवाय, खारिया, खारा, बोडाना, भारमसर, ढालेरी, नोख, सिडा, गिराजसर आदि गांवों के 218 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। टावरीवाला सरपंच सांग सिंह, रेवंत सिंह खारा, मनोहर सिंह टावरीवाला एवं समस्त ग्रामवासियों ने व्यवस्था में सहयोग किया। नागौर संभाग के मकराना प्रांत के गेलासर गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ जिसका संचालन नागौर संभाग प्रमुख शिम्भु सिंह आसरवा द्वारा किया गया। उन्होंने शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप अगले चार दिनों तक अपने आप को संघ को सौंप दें। यहां के प्रत्येक निर्देश का अक्षरशः पालन करने का प्रयास करें। यदि आप ऐसा करेंगे तो संघ जीवन के जिस मूल उद्देश्य से आपकी पहचान कराना चाहता है, उसे आप जान पाएंगे।

उन्होंने कहा कि यहां आना आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ है। इसे समझकर अपने इस समय का सदुपयोग करें, जिससे हम समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्व को समझ सकें और निभा सकें। शिविर में गेलासर, आसरवा, सफेड़ छोटी, लाडपुर, बेगसर, पीड़वा आदि गांवों के 110 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जोधपुर संभाग के बापिणी प्रांत के विश्वकर्मा नगर पुनासर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि वर्तमान के विषमय वातावरण में हर कोई अपने अधिकारों की बात करता है लेकिन अपने कर्तव्य के पालन पर किसी का ध्यान नहीं है। ऐसे वातावरण में भी श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें अपने कर्तव्य की याद दिला रहा है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य के मार्ग पर चलना सरल नहीं होता इसके लिए त्याग करना पड़ता है, कीमत चुकानी पड़ती है, कष्टों को सहना पड़ता है। यह साधना का मार्ग है। इस मार्ग पर वही चल सकता है जो अपने अहंकार को त्याग कर समर्पण करने के लिए तैयार हो। शिविर में पुनासर, जाखण, बेदू, बापिणी, इशरु, कड़वा, निंबो का तालाब, देणोक, तिंवरी, सेतरावा, सेखाला, रावलगढ, भुंगरा आदि गांवों के 200 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सरपंच छैलु सिंह विश्वकर्मा नगर व समस्त ग्रामवासियों ने व्यवस्था में सहयोग किया। जोधपुर संभाग के ही भोपालगढ़ प्रांत के कूड़ गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। गेन सिंह चांदनी ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि हमारे पूर्वज जिस मार्ग पर चले थे उस मार्ग पर हमें भी चलना है। जिस प्रकार वे कर्तव्य पालन के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने से कभी पीछे नहीं हटे उसी प्रकार हमें भी कर्तव्य की मांग पर अपना सब कुछ अर्पित करने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारे पूर्वजों ने अपने स्वयं के लिए नहीं बल्कि समस्त संसार के कल्याण के लिए जीवन जिया इसीलिए आज भी सभी उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ याद करते हैं। उनके द्वारा स्थापित त्याग और बलिदान की उन परंपराओं को जीवित रखने का दायित्व हमारा है। शिविर में कूड़, आशारानाडा, खारिया खंगार, पालड़ी, रामड़ावास आदि गांवों के 115 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बजरंग सिंह, धनवीर सिंह सहित समस्त ग्रामवासियों ने व्यवस्था में सहयोग किया। शिविर के दौरान 12 अक्टूबर को विजयादशमी का पर्व भी मनाया गया। जालौर संभाग के रानीवाड़ा प्रांत के पहाड़पुरा गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। प्रवीण सिंह सुरावा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि वर्तमान समय में हम इस बात को भूल गए हैं कि मनुष्य योनि और उसमें भी क्षत्रिय के घर जन्म मिलने का क्या अर्थ है। यदि हम यहां चार दिन तक जागृत रहे, यहां जो कुछ बताया जा रहा है उसे अपने जीवन में उतारने का अभ्यास करें तो हम उस बात को समझ पाएंगे। यहां पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आप को सत्वोन्मुखी बनने का अभ्यास कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक कोई वस्तु उपयोगी बनी रहती है तब तक ही उस वस्तु की सार्थकता भी रहती है। हमें भी अपनी सार्थकता बनाए रखनी है तो हमें परिवार, समाज, राष्ट्र और समस्त मानवता के लिए उपयोगी बनना होगा। शिविर में जाविया, डोरडा, गोडाणा, सुरावा, डूंगरी, कलापुरा, चेकला, पहाड़पुरा, मेडक, धामसीन, रतनपुर, राजीकावास, तावीदर, चाण्डपुरा गांवों एवं रानीवाड़ा व सांचौर नगर से 120 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

बाड़मेर

गेलासर

पहाड़पुरा

संपादकीय

वर्चुअल युद्ध में ही नहीं, यथार्थ जीवन में भी सिद्ध करें सामर्थ्य

जाति भारतीय सामाजिक संरचना की विशिष्ट और आधारभूत इकाई है। यह प्रारंभ से ही भारतीय सामाजिक व्यवस्था का अभिन्न अंग रही है। जाति अपने आप में समानता और अन्यों से विशिष्टता रखने वाला समूह है और इसीलिए यह समूहों के आपसी विभेदों के आधार पर बनी व्यवस्था भी है। किंतु, भारतीय जाति व्यवस्था की यह विशेषता है कि यह विभिन्न समूहों के आपसी विभेदों को बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि उन विभेदों को पाटने के लिए सेतु की भूमिका निभाने के उद्देश्य से विकसित हुई। भारतीय जाति की अवधारणा अन्य जातियों से संघर्ष के उपकरण के रूप में नहीं बल्कि वृहद भारतीय समूह के उपांगों के रूप में सहयोगी और अन्योन्याश्रित जीवन जीने के मार्ग के रूप में विकसित हुई थी। इसी रूप में जाति व्यवस्था भारतीय संस्कृति के आधार की भूमिका में रही और कालांतर में अनेक विकृतियों के आ जाने के बाद भी आज उसी मजबूती से अपने अस्तित्व को बनाए हुए है और आगे भी बनाए रहेगी। जो विकृतियां जाति व्यवस्था में आईं और आ रही हैं, उन्होंने जाति व्यवस्था को नष्ट तो नहीं किया लेकिन उसके सहयोगी स्वरूप को संघर्षपूर्ण बनाने में अवश्य सफलता पाई है। वर्तमान राजनीति में सत्तालोलुप तत्वों द्वारा इन जातीय संघर्षों को चरम पर पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक विशिष्टता यह है कि सत्ता तो अभी भी कुछ ही लोगों के बीच आधिपत्य का क्षेत्र बनी हुई है लेकिन उस सत्ता तक पहुंचाने वाली राजनीति किसी विशिष्ट दायरे तक सीमित न होकर सामान्य व्यक्तियों के दैनिक जीवन का अनिवार्य अंग बन गई है। सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने के लिए कुछ विशिष्ट व्यक्तियों अथवा समूहों के संघर्ष ने भी इसीलिए सामान्य व्यक्तियों के जीवन में प्रवेश पा लिया है और उन्हें इस संघर्ष में नियोजित कर दिया गया है। भारत में बढ़ता जातीय वैमनस्य और संघर्ष उसी का एक रूप है।

इसी संघर्ष का एक सर्व सुलभ साधन वर्तमान में सोशल मीडिया के रूप में उपलब्ध हो गया है जिस पर ना तो किसी प्रकार के नियमन का कोई प्रभावी उपाय है ना ही प्रामाणिकता और सत्यता का वहां कोई महत्त्व रह गया है। सोशल मीडिया सत्तालोलुप तत्वों द्वारा अपने स्वार्थ साधने के लिए जातीय संघर्षों को बढ़ाने का एक महत्त्वपूर्ण पटल बन चुका है और इस षड्यंत्र के शिकार विभिन्न जातियों के सामान्य युवा हो रहे हैं। युवाओं के जातीय और सामाजिक भाव का दोहन करके उसे नकारात्मक स्वरूप प्रदान करने का कार्य सोशल मीडिया के माध्यम से निर्बाध चल रहा है। इसी षड्यंत्र के अंग के रूप में हमारे समाज के विरुद्ध भी सोशल मीडिया पर विषवमन का दौर पिछले काफी समय से चल रहा है। विशेषकर हमारे इतिहास और महापुरुषों की पहचान को विकृत करने के प्रायोजित प्रयास सोशल मीडिया पर निरंतर बढ़ रहे हैं और उसकी प्रतिक्रिया में हमारे समाज के युवा भी अन्य समाजों के युवाओं के साथ एक प्रकार के वर्चुअल युद्ध में उलझ रहे हैं। कुछ वर्ष पूर्व पृथ्वीराज चौहान, मिहिरभोज प्रतिहार जैसे क्षत्रिय महापुरुषों की जाति को लेकर ट्विटर पर ट्रेंड चलाने की होड़ से प्रारंभ हुआ यह दौर निरंतर बढ़ते हुए अब एक दूसरे के समाजों के प्रति निम्नतम स्तर की अपमानजनक टिप्पणियों तक पहुंच गया है और आपसी घृणा को भड़काने का यह क्रम लगातार बढ़ता जा रहा है। किसी समाज का कोई एक व्यक्ति दूसरे समाज के प्रति कोई आपत्तिजनक टिप्पणी करता है और दूसरे समाज के युवा ऐसी टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के पूरे समाज को लेकर वैसी ही टिप्पणियां करना प्रारंभ कर देते हैं। अनेक बार तो ये टिप्पणियां अपनी वास्तविक पहचान को छुपा कर छद्म पहचान बनाकर जानबूझकर विभिन्न जातियों और समाजों में आपसी विद्वेष पैदा करने के उद्देश्य की जाती हैं और प्रतिक्रियावादी स्वभाव वाले युवा ऐसी छद्म पहचान की प्रामाणिकता को जांचे बगैर इस युद्ध में कूद पड़ते हैं। अविवेकपूर्ण प्रतिक्रियावादी स्वभाव किसी भी व्यक्ति की वह कमजोरी है जिसका लाभ षड्यंत्रकारी विरोधी सरलता से उठा सकता है। इसलिए समाज के युवाओं में बढ़ रही इस प्रतिक्रियावादी सक्रियता को रोककर उनमें विरोधियों के आक्रमणों का सही समय, सही स्थान, सही मंच पर और सही अनुपात में प्रत्युत्तर देने की समझ व विवेक को विकसित करना आवश्यक है। युवाओं को यह बात समझनी होगी कि यदि किसी समाज का कोई व्यक्ति हमारे समाज के विरुद्ध कोई टिप्पणी कर रहा है तो वह व्यक्ति उसके पूरे समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इसलिए हमारा उद्देश्य भी उसी व्यक्ति के विरोध का होना चाहिए, न कि उस व्यक्ति के पूरे समाज का विरोध और अपमान करना क्योंकि ऐसा करने पर हम वही कर बैठेंगे जो हमारे समाज के विरुद्ध टिप्पणी करने वाला व्यक्ति चाहता था। वहीं, हमें भी इस बात का स्मरण रखना चाहिए कि हम भी जब कभी सोशल मीडिया पर कोई बात लिखते हैं अथवा किसी अन्य व्यक्ति या समाज के बारे में टिप्पणी करते हैं तब हम भी अपने पूरे समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं, इसीलिए हमें उसका दावा भी नहीं करना चाहिए। हमें अपनी बात को व्यक्तिगत स्वरूप में ही प्रकट करनी चाहिए, पूरे समाज के प्रतिनिधि के रूप में नहीं।

यहां यह प्रश्न उठ सकता है कि क्या इसका अर्थ यह हुआ कि सोशल मीडिया जैसे माध्यमों पर हमारे समाज, हमारे इतिहास, हमारे महापुरुषों के प्रति किए जा रहे दुष्प्रचार और विषवमन को हमें चुपचाप स्वीकार और सहन कर लेना चाहिए? क्या हमें इसके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं करनी चाहिए? अवश्य करनी चाहिए लेकिन वह कार्यवाही वैसी नहीं होनी चाहिए जिसकी अपेक्षा हमारे विरोधी पहले से ही कर रहे हों और जो उनको ही लाभ पहुंचाने वाली सिद्ध हो। जो व्यक्ति हमारे समाज के विरुद्ध विष वमन कर रहा है इसका उद्देश्य क्या है, यह समझकर हमें ऐसा प्रत्युत्तर और प्रतिक्रिया देनी चाहिए जिससे उसका उद्देश्य पूरा न हो। हमारा विरोध उस व्यक्ति का विरोध होना चाहिए ना कि उसके पूरे समाज का। हमारे समाज के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणियां करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध हम हर उस प्रकार की उचित व विधि सम्मत कार्यवाही करें जो हमारे स्तर पर संभव हो। इस प्रकार की कार्यवाही तो की ही जाए लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक इस बात को समझना है कि हमारे इतिहास की प्रामाणिकता, हमारे महापुरुषों की पहचान, हमारे समाज का गौरव और स्वाभिमान, समाज के सामर्थ्य और समृद्धि आदि को सिद्ध करने का स्थल सोशल मीडिया पर चलने वाला वर्चुअल युद्ध क्षेत्र नहीं है बल्कि वह तो हमारी ऊर्जा के अपव्यय का ही एक साधन है। सोशल मीडिया पर कोई अप्रामाणिक व्यक्ति क्या लिखता है इसका कोई वास्तविक महत्व नहीं है और इसीलिए उसे कोई महत्व देना भी नहीं चाहिए बल्कि जिन स्थलों से किसी भी तथ्य, नैरेटिव आदि को प्रामाणिकता और वैद्यता प्राप्त होती हैं उन स्थलों पर हमारी पहुंच और पकड़ मजबूत कैसे बने, इस पर हमें कार्य करना चाहिए। यही वास्तविक संघर्ष क्षेत्र है। इतिहास पर शोधपूर्ण लेखन, प्रशासनिक सेवाओं में भागीदारी में वृद्धि, राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए समाज सापेक्ष, शत प्रतिशत और एकतरफा मतदान की राजनीतिक जागृति लाना, मुख्यधारा के मीडिया में हमारी मजबूत उपस्थिति जैसे अनेक विषयों पर कार्य करने में हमें अपनी उर्जा लगानी चाहिए। यदि हम ऐसा कर पाते हैं तो हमें सोशल मीडिया जैसे माध्यमों पर स्तरहीन टिप्पणियां करने वाले अप्रामाणिक और अप्रासंगिक तत्वों के सामने अपने सामर्थ्य को सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं रहेगी बल्कि उनके प्रति हमारी उपेक्षा मात्र ही उनके विलुप्त होने का कारण बन जाएगी। इसलिए आएं, अपनी ऊर्जा को व्यर्थ गंवाने की अपेक्षा वहां लगाएं, जहां वह समाज को वास्तविक अर्थों में सबल बनाने में सहयोगी हो।

जोधपुर में राजपूत अधिवक्ता संघ का दीपावली स्नेहमिलन संपन्न

श्री राजपूत अधिवक्ता संघ जोधपुर का दीपावली स्नेह मिलन समारोह जोधपुर स्थित मारवाड़ राजपूत सभा भवन में 20 अक्टूबर को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता धीरेंद्र सिंह दासपां ने युवा अधिवक्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वकालत का कार्य अपने आप में एक तपस्या है जिसमें नियमित परिश्रम और लगनपूर्वक कार्य करने से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता पृथ्वीराज सिंह जोधा ने कहा कि आप कानून का जितनी बारीकी से अध्ययन करेंगे उतने ही सफल अधिवक्ता बन सकेंगे। लाल सिंह जाखनिया ने कहा कि वकालत व्यापार नहीं है, अतः इसमें सेवा का भाव रखते हुए जरूरतमंदों की सहायता करने का प्रयत्न करना चाहिए। दौलत सिंह निंबला, दिलीप सिंह उदावत, हनुवंत सिंह बालोत, भवानी सिंह भाटी एवं नरपत सिंह भाटी ने भी अपने विचार रखे और युवा अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में राज्य सरकार की ओर से नवनियुक्त अतिरिक्त महाधिवक्ता सज्जन सिंह राठौड़ एवं अन्य नवनियुक्त राजकीय अधिवक्ताओं का स्वागत भी किया गया। कार्यक्रम के संयोजक चैन सिंह बैठवास ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए कार्यकताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी उपस्थित अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया। प्रहलाद सिंह भाटी चामू ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सूरत की शाखाओं ने मनाई शरद पूर्णिमा

दक्षिणी गुजरात संभाग के सूरत शहर प्रांत में तनेराज शाखा (सारोली मण्डल) द्वारा शरद पूर्णिमा की रात्रि को सामूहिक शाखा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन बाबूसिंह रेवाड़ा ने किया। ओंकार सिंह फुलिया ने शरद पूर्णिमा के पौराणिक और शास्त्रीय महत्त्व के बारे में जानकारी दी। प्रान्त प्रमुख दिलीप सिंह गड़ा ने संघ के शिविर और शाखाओं की जानकारी देते हुए सभी से दीपावली के बाद होने वाले माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर में चलने के लिए निवेदन किया। सम्भाग प्रमुख खेतसिंह चांदेसरा, सूरत ग्रामीण प्रांत प्रमुख भवानीसिंह माड़पुरिया सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। खीर की प्रसादी ग्रहण करने के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

भोपाल में क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

क्षत्रिय महासभा राजपूत समाज (अखण्ड भारत) का राष्ट्रीय सम्मेलन मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में श्यामला पहाड़ी स्थित मानस भवन में आयोजित हुआ। 18 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि समाज को दिशा देने के लिए ईमानदार, परिश्रमी, निष्ठावान और चरित्रवान कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है जो सभी को साथ लेकर आगे बढ़ें। रमेश सिंह राघव (राष्ट्रीय संयोजक, अखिल भारतीय क्षत्रिय मंच) ने गीता में वर्णित क्षत्रिय के स्वाभाविक गुणों के बारे में बताया और उन्हें अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। क्षत्रिय महासभा राजपूत समाज (अखंड भारत) के अध्यक्ष जगदीश सिंह राघव ने समाज और राष्ट्र हित में त्याग करने के लिए तैयार रहने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन निहाल सिंह ने किया। कार्यक्रम में राज्य के अनेकों प्रांतों से समाजबंधु शामिल हुए।

बैठक में कुरीतियों को मिटाने का आह्वान

नागौर जिले के सिंगड़ गांव में स्थित नागणेची माता मंदिर में 20 अक्टूबर को सिंगड़, गोगानाडा, शिंभूनाडा तथा थलांजू गांवों के राजपूत समाज की बैठक आयोजित हुई जिसमें विवाह समारोह में डीजे और शराब के सेवन पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाने, मृत्यु भोज में साधारण भोजन और शोक सभा में अफीम डोडा पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के निर्णय लिए गए। साथ ही मृत्युभोज पर होने वाली पहरावणी पर भी प्रतिबंध रहेगा। बैठक में भगवान सिंह फौजी, हेमंत सिंह थलांजू, बंटी बना सिंगड़, शक्ति सिंह, मेघ सिंह गोगानाडा, करण सिंह सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

हिमानी परमार ने हरियाणा न्यायिक शाखा परीक्षा में प्राप्त की 75वीं रैंक

कुमारी हिमानी परमार ने हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित न्यायिक शाखा परीक्षा में 75वीं रैंक हासिल की है। हरियाणा के भिवानी जिले के गांव ढाणी चांग की मूल निवासी हिमानी ने क्लैट परीक्षा में सफल होने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। अब हरियाणा लोक सेवा आयोग (न्यायिक शाखा) की परीक्षा 2024 में शामिल होकर पहले ही प्रयास में 75वां स्थान हासिल किया है।

सिद्धार्थ सिंह बने नव नालंदा महाविहार के कुलपति

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पाली और बौद्ध अध्ययन विभाग में कार्यरत वरिष्ठ आचार्य सिद्धार्थ सिंह नव नालंदा महाविहार के नए कुलपति नियुक्त किए गए हैं। वे 5 वर्ष के लिए यह दायित्व संभालेंगे। 52 वर्षीय प्रोफेसर सिद्धार्थ 2018 से 2022 तक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास टोक्यो (जापान) के निदेशक भी रहे हैं। पाली भाषा एवं साहित्य, हिंदी लेखन एवं अनुवाद, भारतीय भाषा एवं साहित्य, भारतीय धर्मों के आनुप्रयोगिक पहलू आदि अनेक विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त करने वाले सिद्धार्थ सिंह हिंदी, अंग्रेजी, पाली, संस्कृत, जापानी आदि भाषाओं के जानकार है।

नारायण सिंह बने श्री क्षत्रिय सभा सरवाड़ के अध्यक्ष

श्री क्षत्रिय सभा सरवाड़ की कार्यकारिणी की बैठक श्री राजपूत छात्रावास सरवाड़ में 27 अक्टूबर को संपन्न हुई। जिसमें कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा सर्व सम्मति से नारायण सिंह हिंगोनिया को सभा का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में श्री क्षत्रिय सभा सरवाड़ के संरक्षक सेवानिवृत्त कर्नल रघुवीर सिंह गोयला, पूर्व अध्यक्ष शंकर सिंह पीपरोली, महेंद्र सिंह ढोष, केशर सिंह ढिगारिया, अभिमन्यु सिंह ढिगारिया, सवाई सिंह अरवड़, भंवर सिंह खिरिया आदि समाजबंधु उपस्थित रहे।

कुलदीप सिंह व लक्ष्मी राठौड़ ने जेआरएफ नेट परीक्षा में प्राप्त की सफलता

बाड़मेर जिले के विशाला गांव के मूल निवासी एवं वर्तमान में बालोतरा में निवासरत कुलदीप सिंह पुत्र जेतमाल सिंह राठौड़ ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा आयोजित जेआरएफ नेट (हिंदी) परीक्षा में पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बालोतरा से विद्यालयी शिक्षा पूर्ण करने वाले कुलदीप वर्तमान में दिल्ली में भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। अरवड़ निवासी लक्ष्मी राठौड़ पुत्री जितेंद्र सिंह ने भी जेआरएफ नेट परीक्षा में 99.72 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। पथप्रेरक परिवार दोनों प्रतिभाओं को बधाई प्रेषित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

जसोड़ाटी क्षेत्र के गांवों में बैठकें कर दिया नशामुक्ति का संदेश

जैसलमेर जिले में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत 16 अक्टूबर को जसोड़ाटी के कराड़ा, नया अचला, बाटयाडू गांवों के समाजबंधुओं ने बैठकें आयोजित करके मृत्यु भोज के दौरान अफीम, डोडा आदि पर पाबंदी का निर्णय लिया। मेहराजोत गांव में भी शहीद श्री उत्तमसिंह के स्मारक पर बैठक आयोजित कर नशामुक्ति और कुरीतियों को बंद करने का निर्णय लिया गया।

श्री राजपूत विकास ट्रस्ट साणंद ने मनाया शरदोत्सव

श्री राजपूत विकास ट्रस्ट, साणंद द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी साणंद स्थित के.डी. फार्म में शरद पूर्णिमा गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। केवल राजपूत समाज की मातृशक्ति के लिए होने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन 16 अक्टूबर को हुआ। साणंद राजपरिवार की सदस्या कात्यायनी कुमारी कार्यक्रम में उपस्थित रही। साणंद राजपूत समाज के रीयल एस्टेट क्षेत्र के अग्रणी सहयोगियों के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में अनिलसिंह गोधावी (प्रमुख श्री राजपूत विकास ट्रस्ट- साणंद) और इलाबा डी राठौड़ (प्रमुख श्री राजपूत विकास ट्रस्ट साणंद महिला शाखा) सहित ट्रस्ट की कार्यकारिणी के अनेकों सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	मा.प्र.शि.	04.11.2024 से 10.11.2024 तक	मालजीभी, पीपरिया, तहसील-जामकण्डोरना राजकोट।
02.	मा.प्र.शि. बालिका	05.11.2024 से 11.11.2024 तक	थोरड़ी, तहसील, जामकण्डोरना, राजकोट।
03.	प्रा.प्र.शि.	14.11.2024 से 17.11.2024 तक	शुभद्रा माता मंदिर, राजपूत सभा भवन, सर भाकर, ग्राम-सर तहसील-लूणी, जोधपुर। **सम्पर्क सूत्र:** 7568721139, 9413521625, 9351389504, 8875186838
04.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	25.12.2024 से 28.12.2024 तक	सकानी (डूंगरपुर)।
05.	प्रा.प्र.शि.	26.12.2024 से 29.12.2024 तक	जयमलकोट (पुष्कर)।
06.	मा.प्र.शि.	30.12.2024 से 05.01.2025 तक	राजपूत समाज धर्मशाला, रामदेव मंदिर परिसर, कचनारा (नाहरगढ़), जिला-मंदसौर, मध्यप्रदेश (मंदसौर से नाहरगढ़-रुपणी-बिशनिया जाने वाली सड़क पर रामदेव मंदिर कचनारा पर उतरें) **नोट** - इस माध्यमिक शिविर में कम से कम दो प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर किए हुए स्वयंसेवक ही भाग ले सकेंगे।
07.	मा.प्र.शि.	11.01.2025 से 15.01.2025 तक	हैदराबाद (तेलंगाना)।

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

जैसलमेर में शौर्य दिवस और प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

जैसलमेर के दूसरे शाके के नायक महारावल दुर्जनशाल व वीरवर तिलोकसी का शौर्य दिवस तथा राजश्री जसहड़ जी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 12 अक्टूबर को जैसलमेर के देगराय मंदिर परिसर में किया गया। विजयादशमी पर्व पर आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक सांग सिंह भाटी व महिला नेत्री सुनीता भाटी ने वीरों के शौर्य को नमन करते हुए भावी पीढ़ी से शिक्षा, खेल व विभिन्न क्षेत्रों में लगातार मेहनत करते हुए आगे बढ़ने की बात कही। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य एवं कार्य प्रणाली की जानकारी दी और क्षात्र धर्म का पालन करते हुए सभी समाजों को साथ लेकर चलने की बात कही। हाथी सिंह मूलाना ने दूसरे शाके का विस्तृत इतिहास बताया। दीप सिंह रणधा ने दुर्जनशाल जी व तिलोकसी जी के शौर्य की स्तुति में काव्य रचना प्रस्तुत की। किशन सिंह भादरिया ने युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने व सामाजिक आयोजनों में नशे की प्रवृत्ति पर प्रतिबंध लगाने की बात कही। शिक्षाविद दान सिंह चांधन ने बालिका शिक्षा व अमर सिंह जेठा ने त्याग व शौर्य की ऐतिहासिक परंपरा पर अपनी बात रखी। इस अवसर पर सर्व समाज की लगभग 50 प्रतिभाओं को शिक्षा, रोजगार, खेल, ओरण संरक्षण आदि के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया। आयोजन व्यवस्था का दायित्व चांधन ग्रामवासियों ने संभाला। सगत सिंह चांधन ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डेलासर के महंत महादेव पुरी का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। मंच संचालन कमल सिंह भैंसड़ा द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री क्षत्रिय युवक संघ की हीरक जयंती समारोह से पूर्व प्रदेश भर में आयोजित किए गए 100 बड़े कार्यक्रमों की कड़ी में यह कार्यक्रम पहली बार संघ के तत्वावधान में 2021 में आयोजित किया गया था। उसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए स्थानीय समाजबंधुओं द्वारा प्रतिवर्ष विजयादशमी के दिन यह आयोजन किया जाता है।

रटूजा (जालौर) में बालावत राठौड़ स्नेहमिलन समारोह का आयोजन

जालौर जिले के सायला उपखंड क्षेत्र के रटूजा गांव में 20 अक्टूबर को बालावत राठौड़ इतिहास लेखन से संबंधित चर्चा हेतु स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। वीर शिरोमणि बालाजी राठौड़ सेवा संस्थान के तत्वावधान में संपन्न कार्यक्रम में इतिहासकार महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि बालावतों का इतिहास गौरवशाली और सभी के लिए प्रेरणादायी है। इस गौरवशाली इतिहास को एक पुस्तक के रूप में संग्रहित करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है जिससे आने वाली पीढ़ियां अपने इतिहास को जानकर प्रेरणा ले सके। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए संस्थान के सदस्य गांव-गांव जाकर बालावत राठौडों के इतिहास को संकलित करने का कार्य कर रहे हैं। संस्थान के अध्यक्ष गजेंद्र सिंह पोषाणा ने कहा कि हमें सामाजिक कार्यक्रमों में नशे पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना चाहिए और विभिन्न कुरीतियों भी दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास करना चाहिए। विक्रम सिंह मोकलसर ने कहा कि हमारे ऐतिहासिक स्थलों और पूर्वजों की प्राचीन छतरियों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उगम सिंह रटूजा, बाबू सिंह मेड़ा, भंवर सिंह थलूंडा, चुंडावत सिंह ऐलाणा, गणपत सिंह सापनी, नीरू कंवर थलूंडा आदि ने भी अपने विचार रखे। गोविंद सिंह रटूजा ने कार्यक्रम का संचालन किया। आसपास के अनेकों गांवों के बालावत समाजबंधु कार्यक्रम में शामिल हुए।

रामगढ़ में कर्मचारी बैठक व विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम संपन्न

जैसलमेर जिले के रामगढ़ में स्थित श्री राजपूत छात्रावास में क्षत्रिय कर्मचारी जिला संस्थान जैसलमेर के तत्वावधान में कर्मचारी बैठक व विद्यार्थी संवाद का कार्यक्रम 20 अक्टूबर को आयोजित हुआ। प्रथम सत्र में आपसी परिचय हुआ। इसके पश्चात कैरियर काउंसलिंग का सत्र हुआ जिसमें वक्ताओं द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध कैरियर निर्माण के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। देरावर सिंह सांकडा (कोषाधिकारी) ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए कड़े परिश्रम और लगन से पढ़ाई करने की बात कही। चंद्रवीर सिंह (महिला एवं बाल विकास अधिकारी जैसलमेर) ने अपने अनुभव बताते हुए अंग्रेजी भाषा के महत्त्व को समझाया और उसमें निपुणता प्राप्त करने के उपायों के बारे में बताया। नगर परिषद आयुक्त झब्बरसिंह ने 10 नवंबर को आयोजित होने वाले राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह की जानकारी देते हुए सभी से उसमें शामिल होने का निवेदन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा कैरियर संबंधी विभिन्न जिज्ञासाएं भी रखी गई जिनका समाधान वक्ताओं द्वारा किया गया। अंत में खेमेन्द्र सिंह जाम (पर्यटन अधिकारी) ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा विद्यार्थियों से परिश्रम पर विश्वास करने की बात कही। कार्यक्रम में अनेकों समाजबंधु एवं छात्रावास के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हमीर सिंह जोगा ने किया।

सुमेरपुर में राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

श्री राजपूत एजुकेशनल सेवा संस्थान का सातवां प्रतिभा सम्मान समारोह पाली जिले के सुमेरपुर में स्थित गोड़वाड़ राजपूत महासभा भवन में 20 अक्टूबर को आयोजित हुआ जिसमें शिक्षा, खेल आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की 190 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। जिला विधिक सेवा समिति पाली के सचिव एवं अपर जिला न्यायाधीश विक्रम सिंह भाटी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विद्याध्ययन एक साधना है जिसमें सफलता प्राप्त करने के लिए नियमितता, निरंतरता और एकाग्रता की आवश्यकता होती है। आप अपने लक्ष्य को निश्चित कर लगातार उस पर ध्यान केंद्रित रखें तो आप निश्चित रूप से सफल होंगे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बाली चैन सिंह महेचा ने कहा कि हमारे गौरवशाली इतिहास एवं महान पूर्वजों से प्रेरणा अवश्य प्राप्त करें लेकिन वर्तमान चुनौतियों का सामना वर्तमान साधनों से ही करना पड़ेगा। साहित्यकार डॉ. माधो सिंह इंदा ने कहा कि किसी विद्यार्थी की प्रतिभा को निखारने में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। पुलिस उपाधीक्षक जितेंद्र सिंह राठौड़, श्रम निरीक्षक ऋषिराज सिंह जाणा, नव चयनित आरएएस विश्वजीत सिंह ने भी अपने विचार रखे। संस्थान अध्यक्ष बजरंग सिंह देवड़ा ने समारोह की भूमिका बताई एवं सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विक्रम सिंह देवड़ा ने किया।

पांचोटा में सिंधलावटी के समाजबंधुओं की बैठक संपन्न

जालौर जिले की आहोर तहसील के पांचोटा गांव में सिंधलावटी क्षेत्र के समाजबंधुओं की बैठक होमाष्टमी के दिन आयोजित हुई जिसमें श्री नागणेची माता मंदिर प्रबंध समिति पांचोटा की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव अधिकारी वकील भवानी सिंह जादरी के निर्देशन में हुए चुनावों में बैठक में उपस्थित समाजबंधुओं द्वारा जबर सिंह तरवाड़ा को अध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में हनवंत सिंह सांडेराव, मोती सिंह छांगाड़ी, ईश्वर सिंह पांचोटा, जबर सिंह आकोरापादर, गंगा सिंह जेतपुरा, देवी सिंह मानपुरा, इंद्र सिंह गुड़ारामा, केहर सिंह कालोरापादर, भगवत सिंह हिंगोला, मदन सिंह थुम्बा, महेंद्र सिंह बाबागांव, जोग सिंह पांचोटा, गजे सिंह शंखवाली, गणपत सिंह काम्बा, नरेंद्र सिंह राखी आदि को मनोनीत किया गया। उपरोक्त कार्यकारिणी आगामी 3 वर्ष के लिए मंदिर के प्रबंधन सहित विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर मार्गदर्शन का कार्य करेगी।

श्री राजस्थान राजपूत परिषद मुम्बई का 43वां दशहरा सम्मेलन संपन्न

श्री राजस्थान राजपूत परिषद, मुंबई महाराष्ट्र का 43वां दशहरा सम्मेलन एस. के. स्टोन पुलिस चौकी के पीछे, मीरा रोड़ मुंबई में 20 अक्टूबर को आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण का सरलीकरण किया था जिससे आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के कई युवा सरकारी सेवाओं में स्थान प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने देश भर में ईडब्ल्यूएस के सरलीकरण की मांग करते हुए कहा कि केंद्र सरकार पर विभिन्न माध्यमों से इसके लिए दबाव बनाना चाहिए। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, समता राम जी महाराज सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने उद्बोधन में इस मांग का समर्थन किया। परिषद के चेयरमैन रतन सिंह तूरा, मुख्य संरक्षक रघुनाथ सिंह सराना, समारोह अध्यक्ष सौभाग्य सिंह कैलाशनगर, कार्याध्यक्ष अनोप सिंह करडा और महेंद्र सिंह ईटनदरा के निर्देशन में संपन्न कार्यक्रम में मेघराज सिंह रॉयल, समंदर सिंह नौसर, बिहार के पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह, पाली डेयरी चेयरमैन प्रताप सिंह बिंठिया, विधायक गीता जैन, विधायक प्रताप सरनाईक, पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता, विक्रम प्रताप सिंह, पुणे राजपूत परिषद के अध्यक्ष दलपत सिंह सुरावा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की प्रतिभाओं का सम्मान करते हुए पारितोषिक वितरण भी किया गया।

(पृष्ठ एक का शेष)

समाज सापेक्ष...

17 अक्टूबर को श्री क्षत्रिय युवक संघ के द्वितीय संघ प्रमुख श्रद्धेय आयुवान सिंह जी हुडील की 104वीं जयंती के उपलक्ष्य में देशभर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें समाजबंधुओ एवं स्वयंसेवकों ने उपस्थित रहकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्री भारतीय ग्राम्य आलोकायन ट्रस्ट के तत्वावधान में आयुवान सिंह जी की जयंती बाड़मेर के गांधीनगर में स्थित मोहन गुरुकुल छात्रावास के प्रांगण में समारोह पूर्वक मनाई गई। बाड़मेर संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली ने आयुवान सिंह जी का जीवन परिचय देते हुए बताया कि वे एक सच्चे समाज सुधारक होने के साथ ही साथ कुशल राजनीतिज्ञ, श्रेष्ठ साहित्यकार और उच्च कोटि के राष्ट्रवादी व्यक्तित्व के धनी थे। सेवा, सहयोग, समर्पण और श्रद्धा उनके जीवन का मूल मंत्र था। हमें उनके द्वारा रचित साहित्य का अध्ययन करके अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाना है। कार्यक्रम में गांधीनगर क्षेत्र की विभिन्न शाखाओं से सैकड़ों स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन बाड़मेर शहर प्रांत प्रमुख छगन सिंह लूणू ने किया। बाड़मेर में दान जी की होदी स्थित श्री कृष्णा छात्रावास में भी जयंती मनाई गई जिसमें सांवल सिंह भैंसड़ा ने पूज्य श्री का जीवन परिचय बताया। छोटू सिंह झिझनियाली ने बताया कि 'माड़साब' के गुणों को अपने जीवन में उतारने के लिए संघ के निरंतर संपर्क में रहें। कार्यक्रम में स्वरूप सिंह मुंगेरिया, गणपत सिंह हराकातला, भगवान सिंह झिझनियाली सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। बाड़मेर शहर स्थित द सक्सेस हॉस्टल में भी जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें मग सिंह राजमथाई ने आयुवान सिंह जी का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। चित्तौड़गढ़ स्थित भुपाल राजपूत छात्रालय परिसर में भी 17 अक्टूबर को जयंती मनाई गई जिसमें संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। प्रोफेसर डॉ. लोकेंद्र सिंह ज्ञानगढ़ ने पू. आयुवान सिंह जी द्वारा पू. तन सिंह जी के साथ मिलकर किए गए चौपासनी आंदोलन, भूस्वामी आंदोलन तथा उनके राजनैतिक जीवन के बारे में विस्तार से बताया। नरेंद्र सिंह नरधारी ने आयुवान सिंह जी के जीवन चरित्र, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ तथा उसके आनुषंगिक संगठनों का परिचय दिया। लक्ष्मण सिंह बड़ोली ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन दिलीप सिंह रुद ने किया। उदयपुर में बीएन यूनिवर्सिटी के ओल्ड बॉयज भवन में भी आयुवान सिंह जी की जयंती का कार्यक्रम रखा गया जिसका संचालन मेवाड़ वागड़ संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला ने किया। मेवाड़ मालवा संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा ने आयुवान सिंह जी का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। बांसवाड़ा के दुकवाड़ा गांव में भी जयंती मनाई गई। अजमेर प्रांत में विजयनगर स्थित राजपूत छात्रावास में भी आयुवान सिंह जी की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। वीरेंद्र सिंह बांदनवाड़ा और देशराज सिंह लिसाड़ीया ने आयुवान सिंह जी का जीवन परिचय प्रस्तुत किया और उनके द्वारा रचित साहित्य के चयनित अंश पढ़ कर सुनाए। प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालिया ने आयुवान सिंह जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि वे एक सामाजिक और राजनीतिक संत थे जिन्होंने अपनी प्रतिभा का समाज के लिए सदुपयोग किया। श्री क्षत्रिय सेवा संस्थान विजयनगर के अध्यक्ष सहदेव सिंह कुशवाहा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। नागौर संभाग में कुचामन सिटी स्थित संभागीय कार्यालय आयुवान निकेतन में भी पूज्य आयुवान सिंह जी की जयंती मनाई गई। वरिष्ठ स्वयंसेवक भगवत सिंह सिंघाणा व नागौर संभाग प्रमुख शिम्भु सिंह आसरवा सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। नागौर संभाग के डीडवाना प्रांत के पीड़वा गांव में भी जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें पूज्य श्री आयुवान सिंह

जी के जीवन चरित्र के बारे में प्रांत प्रमुख जयसिंह सागु ने बताया। नंदू सिंह बगतपुरा ने भी अपने विचार रखे। नागौर संभाग के लाडनूं प्रांत के छपारा ग्राम में भी जयंती मनाई गई। जालौर शहर में आपनाथ शाखा में जयंती मनाई गई जिसमें संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। रानीवाड़ा क्षेत्र के डूंगरी और जसवंतपुरा क्षेत्र के वाड़ाभवजी गांव में भी जयंती मनाई गई। राव बल्लू जी राजपूत छात्रावास सांचौर और जीवाणा में भी जयंती कार्यक्रम आयोजित हुए। दुर्गा महिला विकास संस्थान नाथावतपुरा, सीकर में बालिका शाखा की स्वयंसेविकाओं ने आयुवान सिंह जी की जयंती मनाई। चेतना कंवर आलसर ने आयुवान सिंह जी का जीवन परिचय विस्तार से बताया। पाली प्रांत में गोड़वाड़ मंडल के खिवांदी गांव में भी श्री करणी बालिका शाखा द्वारा आयुवान सिंह जी की जयंती मनाई गई। गुजरात के सूरत में स्थित टोपी चेरी उद्यान में भी आयुवान सिंह जी की जयंती 17 अक्टूबर को मनाई गई जिसमें सूरत संभाग की शाखाओं के स्वयंसेवकों सहित अन्य समाजबंधु शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्ण सिंह धवला ने श्रद्धेय माड़साब का जीवन परिचय दिया। बाबूसिंह रेवाड़ा व नीम सिंह भाड़ली ने भी आयुवान सिंह जी के संस्मरण साझा किए। सूरत ग्रामीण प्रांत प्रमुख भवानी सिंह माड़पुरिया ने बताया कि साधारण कृषक परिवार में जन्मे आयुवान सिंह जी ने अपने अल्पकालीन जीवन में उन ऊंचाइयों को छूआ जिनसे आज भी सभी को प्रेरणा मिलती है। 13 अक्टूबर को दक्षिण मुंबई प्रांत में गिरगांव चौपाटी पर आयुवान सिंह जी एवं राव शेखा जी की जयंती संयुक्त रूप से मनाई गई जिसमें मुंबई शहर में रहने वाले स्वयंसेवक व समाजबंधु शामिल हुए। जोधपुर में शिक्षक कॉलोनी, चौपासनी में भी जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने कहा कि आयुवान सिंह जी का संकल्प समाज के नवनिर्माण का था जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी पूरी क्षमता लगाई। उनके इस संकल्प को पूरा संगठन की शक्ति से ही किया जा सकता है। इसीलिए संघ समाज को संगठित करने के लिए हमें एक ध्वज, एक नेता, एक ध्येय और एक मार्ग के सिद्धांत का पाठ पढ़ा रहा है और शाखाओं और शिविरों के माध्यम से उसका व्यावहारिक अभ्यास करा रहा है। बाड़मेर संभाग के सेड़वा प्रांत में गंगासरा स्थित श्री भूपाल छात्रावास में आयुवान सिंह जी की जयंती मनाई गई। सेड़वा प्रांत के तरवर डेर में भी आयुवान सिंह जी की जयंती मनाई गई। जैसलमेर स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभागीय कार्यालय तनाश्रम में आयुवान जी हुडील की जयंती पर स्वयंसेवकों द्वारा उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

पोकरण के राजपूत छात्रावास में भी जयंती मनाई गई। चूरू प्रान्त में नुवां, बंडवा, दसुसर, रतनगढ़, साहवा गांवों में शाखा स्तर पर श्रद्धेय आयुवान सिंह जी की जयंती मनाई गई। पाली प्रान्त के गोड़वाड़ मंडल में खिंदारा गांव में भी आयुवान सिंह जी की जयंती उत्साह पूर्वक मनाई गई जिसमें हीर सिंह लोड़ता ने पूज्य आयुवान सिंह जी के सामाजिक भाव व संघ के प्रति उनकी आत्मीयता और समर्पण का

वर्णन किया। उनके राजनीतिक जीवन, साहित्य आदि की भी जानकारी प्रदान की। चौहटन प्रांत में श्री भवानी क्षत्रिय बोर्डिंग हाउस चौहटन में जयंती मनाई गई जिसमें कमल सिंह गेहूं ने आयुवान सिंह जी के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की बात कही। जोधपुर स्थित संभागीय कार्यालय तनायन में भी जयंती मनाई गई। श्री राजपुत छात्रावास रामगढ, भाग्यम छात्रावास पोकरण, बडोड़ा गांव (जैसलमेर), मूलाना (जैसलमेर) में भी जयंती कार्यक्रम आयोजित हुए। मां भगवती बोर्डिंग हाउस गढ़ सिवाना और श्री कल्ला रायमलोत राजपूत बोर्डिंग हाउस गढ़ सिवाना में भी जयंती मनाई गई। वीर दुगार्दास राजपूत छात्रावास बालोतरा, सोलंकियों की ढाणी वांकलपुरा, सूर्या हॉस्टल गुड़ामालानी और आशापुरा मंदिर उण्डखा में भी आयुवान सिंह जी की जयंती कार्यक्रम आयोजित हुए। 13 अक्टूबर को संजीवैया पार्क सिकंदराबाद (हैदराबाद) में भी जयंती मनाई गई। भिवंडी की वीर वीरमदेव शाखा, दक्षिण मुंबई की तनेराज शाखा और वीर प्रताप शाखा में भी जयंती मनाई गई। उत्तर मुंबई प्रांत की वीर दुगार्दास शाखा में भी आयुवान सिंह जी की जयंती मनाई गई। महाराष्ट्र के पुणे में आयुवान सिंह जी की जयंती 20 अक्टूबर को मनाई गई। फलोदी क्षेत्र के बामणु स्थित नागणेच्या माता मंदिर में भी आयुवान सिंह जी की जयंती मनाई गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के दक्षिण भारत प्रांत में बेंगलुरू मंडल द्वारा क्षत्रिय सम्राट मिहिरभोज प्रतिहार एवं आयुवान सिंह जी हुडील की जयंती संयुक्त रूप से राजपूत समाज भवन राणासिंघपेट में 20 अक्टूबर को मनाई गई। भीलवाड़ा प्रांत में करेड़ा तहसील के जाली गांव में स्थित माताजी मंदिर परिसर में भी 20 अक्टूबर को आयुवान सिंह जी की जयंती मनाई गई। जयपुर के महेशनगर में श्री आयुवान साप्ताहिक शाखा में भी जयंती मनाई गई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ स्वयंसेवक राजेन्द्र सिंह बोबासर ने बताया कि जिस प्रकार आयुवान सिंह जी ने समाज और संघ के कार्य को महत्त्व दिया, वैसे ही हमें भी देना होगा। हमें अपने परिवार को संघ से जोड़कर अपने स्वधर्म और संस्कृति से परिचित कराना होगा तभी हम क्षत्रिय के रुप जीवित रह सकेंगे। कार्यक्रम में रेवत सिंह धीरा, मोड़ सिंह भेड़, महिपालसिंह जयसिंधर, भानुप्रतापसिंह पायला कलाँ, तनसिंह जाजवा ने भी अपने विचार रखे। कमलसिंह बुडीवाडा.ने कार्यक्रम का संचालन किया।

(पृष्ठ एक का शेष)

विभिन्न स्थानों...

जालौर जिले में जसवंतपुरा स्थित श्री नृपालदेव छात्रावास में भी मिहिर भोज जयंती मनाई गई। उत्तरप्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के फलैदा गांव में स्थित भाटी फार्म हाउस में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के तत्वावधान में मिहिरभोज जयंती मनाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुभाष भाटी ने कहा कि मिहिर भोज ने अपने 49 वर्ष के शासन में अपनी प्रशासनिक कुशलता, वीरता और शौर्य के बल पर समस्त उत्तर भारत की अरब आक्रमणों से रक्षा की। करण ठाकुर ने कहा कि सम्राट मिहिर भोज ने अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया था जो आज भी विद्यमान है। ऐसे महापुरुष को हम सभी को नमन करना चाहिए। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेकों गांवों से समाजबंधु शामिल हुए।

सिखेड़ा (उत्तरप्रदेश) में मनाई मिहिरभोज प्रतिहार और अनंगपाल तोमर की जयंती: पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साठा चौरासी क्षेत्र में खिलौना रोड पर स्थित सिखेड़ा ग्राम के आर के फार्म हाउस पर क्षत्रिय सम्राट महिर भोज प्रतिहार एवं अनंगपाल तोमर की जयंती संयुक्त रूप से 27 अक्टूबर को मनाई गई। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक धर्मेश तोमर ने कहा कि आज के प्रजातंत्र में हम सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए ताकि प्रजातंत्र में हमारी भागीदारी सुनिश्चित हो एवं हम समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चल सकें। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि नशे की बढ़ती हुई प्रवृत्ति से दूर रहें। भूतपूर्व विधायक अनिल राणा ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविरों का हमारे क्षेत्र में भी आयोजन करवाना चाहिए जिससे हमारी युवा पीढ़ी में भी संस्कार निर्माण का मूलभूत कार्य प्रारंभ हो। श्री क्षत्रिय युवक संघ के दिल्ली एनसीआर संभाग प्रमुख रेवत सिंह धीरा ने संघ एवं पूज्य तनसिंह जी का परिचय दिया। कार्यक्रम के आयोजन में भानु सिसोदिया, धीरज कुमार सिंह अचपल गड़ी, भूपेंद्र सिंह तोमर आदि का विशेष सहयोग रहा।

उत्साहपूर्वक मनाया विजयादशमी का पर्व

राजस्थानी राजपूत परिषद का 12वां दशहरा स्नेहमिलन समारोह अहमदाबाद के सरदार पटेल मेमोरियल हॉल, शाहीबाग में आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए पोकरण विधायक प्रताप पुरी महाराज ने कहा कि त्याग और दान क्षत्रिय के सर्वोपरि गुणों में से हैं। त्यागपूर्ण जीवन जीने वाले ही समाज में सम्मान पाते हैं और इतिहास में अमर हो जाते हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ की वरिष्ठ स्वयंसेविका जागृति बा हरदासकाबास ने कहा कि आज बालिकाओं को पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव से बचाने की अत्यंत आवश्यकता है। ऐसा उन्हें सही संस्कार देकर ही किया जा सकता है। इसलिए अपनी बालिकाओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ की शाखाओं एवं शिविरों में भेजें जिससे वे अपने वास्तविक इतिहास और संस्कृति को जानकर निरंतर बढ़ रहे सांस्कृतिक पतन को रोक सके। प्रोफेसर विक्रमादित्य सिंह चाड़ी ने युवाओं से प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने और समाज को मजबूत बनाने की बात कही। रघुनाथ सिंह सराणा ने संगठन की शक्ति को पहचानने की बात कही। कर्नल चन्दन सिंह चम्पावत (रणसीगांव), एडवोकेट तनिषा कंवर, विक्रम सिंह बुड़ीवाड़ा ने भी अपने विचार रखे। संस्था के अध्यक्ष हनुवन्त सिंह मीठड़ी ने सबका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभाशाली बालक-बालिकाओं को प्रोत्साहन स्वरूप स्मृति चिह्न तथा सम्मान पत्र भेंट किए गए। मंच संचालन डॉ. ईश्वर सिंह ढीमा तथा दूर्जन सिंह सोढा ने किया। 13 अक्टूबर को श्री क्षत्रिय युवक संघ की सोडाला शाखा द्वारा देवी नगर स्थित शिव पैलेस में विजयादशमी के उपलक्ष्य में शस्त्र व शास्त्र पूजन कार्यक्रम रखा गया एवं साथ ही महाराव शेखा जी की जयंती भी मनाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रतना कुमारी शाहपुरा ने कहा कि राव शेखा जी ने नारीशक्ति के सम्मान के लिए जो संघर्ष किया वह हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने मातृशक्ति से अपने महत्त्व को समझने और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय होने का आह्वान किया। वीरेंद्र सिंह दिशनाऊ ने राव शेखाजी के जीवन चरित्र व उनके युद्ध कौशल की जानकारी देते हुए उन्हें अदम्य योद्धा बताया। मदन सिंह बामणिया द्वारा पूज्य श्री तनसिंह जी एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया गया। नरेंद्र सिंह निमेडा ने विजयादशमी का महत्व समझाते हुए कहा कि यह शास्त्रों के अनुसंधान का पर्व है। उन्होंने अश्व व शमी पूजन के महत्व की ऐतिहासिक जानकारी भी दी। कार्यक्रम के अंत में रोहिताशसिंह बसई ने सबका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन नादानसिंह सामी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे। गुजरात के भावनगर शहर में भी विजयादशमी का पर्व गोहिलवाड़ राजपूत समाज द्वारा समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद शक्ति सिंह गोहिल, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, पूर्व सांसद राजेंद्र सिंह राणा, गोहिलवाड़ राजपूत समाज के अध्यक्ष वासुदेव सिंह, जयवीर राज सिंह गोहिल, अनिरुद्ध सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने विजयादशमी पर्व पर भगवान राम के चरित्र से प्रेरणा लेते हुए सत्य, न्याय और धर्म का साथ देने की बात कही। गुजरात में पालनपुर प्रांत के आठ गांवों में श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा विजयादशमी के उपलक्ष्य में शास्त्र व शस्त्र पूजन के कार्यक्रम रखे गए एवं सामूहिक यज्ञ किया गया। ये कार्यक्रम मेनपुर, तेनीवाड़ा, मजादर, वडगाम, वरवाडिया, धोता, नलासर और मगरवाड़ा गांवों में आयोजित हुए।

राजस्थान क्षत्रिय (राजपूत) समाज के तत्वावधान में सूरत के गोडादरा में स्थित तुलसी गार्डन में विजयादशमी 12 अक्टूबर को मनाई गई जिसमें संस्था के अध्यक्ष गोविंदसिंह दहीमथा, पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत, प्रीतम मुनि व महंत सुरेशनन्द महाराज उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के दक्षिण गुजरात सम्भाग प्रमुख खेतसिंह चांदेसरा सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। श्री राजपूत युवा मंडल पलसाना विभाग द्वारा रामजी मंदिर, डांभा गांव में शास्त्र व शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अकदमुखी हनुमानजी हॉल, कडोदरा गांव में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में युवाओं द्वारा तलवारबाजी के कौशल का भी प्रदर्शन किया गया। श्री चापलधरा विभाग राजपूत समाज द्वारा श्री चंद्रकिशोर भवन चापलधरा (नवसारी) में शास्त्र व शस्त्र पूजन और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। योगिराज सिंह झाला (अतिरिक्त कलेक्टर नवसारी) ने युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं में कैरियर निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया। पुलिस उपाधीक्षक भागीरथसिंह गोहिल और चापलधरा राजपूत समाज के अध्यक्ष धर्मेंद्रसिंह सोलंकी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। वेसु (सूरत) में कच्छ काठियावाड़ गरासिया राजपूत समाज द्वारा विजयादशमी मनाई गई। संस्था के अध्यक्ष प्रद्युम्नसिंह जाड़ेजा ने समाज के सभी बंधुओ को एक होकर कार्य करने का आह्वान किया और बताया कि संगठन में ही शक्ति है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के सूरत शहर प्रान्त प्रमुख दिलीपसिंह गड़ा भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

दिल्ली में प्रतिहार वंश के इतिहास पर अकादमिक सेमिनार का आयोजन

दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में सम्राट मिहिर भोज जयंती के उपलक्ष्य में 19 अक्टूबर को 'प्रतिहार वंश का मध्यकालीन इतिहास और वर्तमान परिप्रेक्ष्य' विषय पर अकादमिक सेमिनार का आयोजन किया गया। क्षत्रिय परिषद और व्हाइट लोटस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में आजादी की लड़ाई में क्षत्रियों के योगदान पर डोक्यूमेंट्री दिखाई गई। प्रतिहार इतिहास पर लिखी गई विभिन्न प्रामाणिक पुस्तकें जैसे शांता रानी शर्मा की 'इम्पीरियल प्रतिहार ऑफ राजस्थान', रेहमान अली की 'प्रतिहार आर्ट इन इंडिया' और वीरेंद्र राठौड़ की 'गुर्जरदेश' की जानकारी दी गई। क्षत्रिय परिषद द्वारा प्रतिहार इतिहास पर बनाई गई डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए आईआईएससी स्कॉलर दिनेश चौहान ने ईडब्ल्यूएस में क्षत्रिय भागीदारी के बारे में बताया। हार्वर्ड क्लब ऑफ इंडिया के पूर्व सचिव और 'कटिहार टू केनेडी' के लेखक डॉ. संजय कुमार ने युवा वर्ग को इतिहास के प्रति जागरूक करने और उच्च शिक्षा में आगे बढ़ाने की बात कही। बेनेट कोलमेन विश्वविद्यालय के डीन संजीव सिंह ने शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और सामाजिक जागरूकता पर अपने विचार रखे। न्यू इंडियन एक्सप्रेस के मयंक सिंह ने समाज में आधुनिकीकरण और औद्योगिकरण के महत्त्व के बारे में बताया। डॉ. यशपाल तंवर और एनटीपीसी के डायरेक्टर पद से सेवानिवृत विनय कुमार ने भी अपनी बात रखी। सेमिनार में दिल्ली, एनसीआर, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से अनेकों समाजबंधु शामिल हुए। सेमिनार के अंत में क्षत्रिय परिषद की पत्रिका 'शंखनाद' का विमोचन भी किया गया।

समारोह पूर्वक मनाई महाराजा गंगासिंह बीकानेर की जयंती

महाराजा गंगा सिंह आयोजन समिति के तत्वावधान में अनूपगढ़ शहर के मेला ग्राउंड में 13 अक्टूबर को बीकानेर के पूर्व महाराजा गंगा सिंह जी की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई जिसमें सैकड़ो क्षेत्रवासियों ने शामिल होकर महाराजा के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। कार्यक्रम में बीकानेर राज परिवार के सदस्य हर्षवर्धन सिंह, थैलासर के विजय सिंह, अनूपगढ़ विधायक शिमला नायक, नगर परिषद सभापति प्रियंका बैलान, नगर परिषद आयुक्त कंचन राठौड़ सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने महाराजा गंगा सिंह जी द्वारा करवाए गए विकास कार्यों को स्मरण किया एवं उन्हें रेगिस्तान में गंग नहर लाने वाला भागीरथ बताया। आयोजन समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह संधू ने सभी का आभार व्यक्त किया। हुकम सिंह पुंदलसर, महिपाल सिंह शेखावत, पुष्पेंद्र सिंह चौहान आदि ने आयोजन व्यवस्था में सहयोग किया।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org